आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 204 | उज्जैन, रविवार 15 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट में नक्सल विरोधी अभियान में सफलता पर दी बधाई

नक्सल विरोधी अभियान में शामिल बहादुर पुलिसकर्मियों को मिलेगी पदोन्नति-मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट जिले में 4 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराने पर राज्य पुलिस बल के जवानों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को प्रदेश की धरती से समूल खत्म करने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को पाने में हमारे पुलिस जवानों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार नक्सल विरोधी अभियान में भाग ले रहे पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत कर रही है। कुछ महीने पहले बालाघाट में एक कार्यक्रम में नक्सलियों का खात्मा करने वाले पुलिस के सिपाहियों और अधिकारियों को पदोन्नति देकर सम्मानित किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को पचमढ़ी से जारी संदेश में यह बात कही।

नक्सलियों के पास भारी मात्रा में हथियार मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट प्रदेश का एक मात्र जिला है, जो नक्सल प्रभावित है। शनिवार को यहां मुठभेड़ में मारे गए 4 नक्सलियों में 3 महिलाएं शामिल हैं। उनके कब्जे से कई ऑटोमैटिक हथियार, रॉकेट लॉन्चर और भारी मात्रा में गोला-बारूद मिला है। नक्सलियों द्वारा किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने से पहले पुलिस जवानों ने सक्रियता दिखाई और सभी हथियारबंद नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस सफल ऑपरेशन के लिए पुलिसबल को बधाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नक्सलियों की वजह से जनजातीय भाई-बहनों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। नक्सली सरेंडर करें, नहीं तो मारे जाएंगे। प्रदेश पुलिस इस कार्य को बखूबी अंजाम दे रही है।

भारतीय छात्रों की सोलर कार आग्नेय दौड़ेगी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में, कई बदलाव के साथ ऑस्ट्रेलिया में दिखाएगी जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोलर कार यानी सौर ऊर्जा आधारित कार भले आज से कुछ समय पहले तक एक सपना था लेकिन अब यह साकार होते दिख रहा है। यह बात अलग है कि अभी इसके उपयोग में आने में कुछ और समय लग सकता है।

आईआईटी मद्रास के छात्रों ने बनाई है यह नई कार- उपयोगी सोलर कार बनाने की इस दौड़ में दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। आईआईटी मद्रास के छात्रों ने हाल ही में सौर ऊर्जा से चलने वाली एक अत्याधुनिक सोलर कार का प्रोटोटाइप तैयार किया है, जिसे आग्नेय नाम दिया है।

कार का सफल ट्रायल भी पूरा- इसका सफल ट्रायल भी पूरा कर लिया है। यह कार जल्द ही ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले वैश्विक सोलर कार प्रतिस्पर्धा में भी हिस्सा लेगी। ऑस्ट्रेलिया में 24 से 31 अगस्त के बीच आयोजित होने वाली इस प्रतिस्पर्धा में शामिल होने वाली सोलर कारों के लिए जो मानक तय किए गए है, उनमें उसे डार्विन से एडिलेड तक तीन हजार किमी की ड्राइव टेस्ट में शामिल होना होगा। आग्नेय से जुड़े छात्रों के मुताबिक यह प्रतिस्पर्धा सिर्फ एक दौड़ नहीं है बल्कि इसे दुनिया की सबसे कठिन इंजीनियरिंग प्रतियोगिता के रूप में भी मानी जाती है।

दिल्ली-यूपी में जानलेवा हुई गर्मी, राजस्थान में तापमान 49 डिग्री पार; पंजाब-हरियाणा में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कई हिस्सों में गर्मी का कहर जारी है। शुक्रवार को देशभर में 22 स्थानों पर अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया। राजस्थान के गंगानगर में इस मौसम में सबसे अधिक तापमान 49.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से आठ डिग्री अधिक है। उमस और गर्मी के कारण बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े हैं।

गर्मी के कारण उत्तर प्रदेश में 17 और पंजाब में दो लोगों की मौत हो गई। कुछ जगहों पर मौसम बदला तो बारिश और वज्रपात भी पड़ा। इससे उत्तर प्रदेश में तीन और उत्तराखंड में दो लोगों की मौत हो गई। आइएमडी के मुताबिक, गर्मी की स्थिति कम से कम दो दिन और बनी रहेगी। हालांकि दिल्ली में तापमान में मामूली कमी आई है।

उप्र में शुक्रवार को आगरा में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि झांसी में 44.9, बांदा में 44.6, हमीरपुर में 44.2 और लखनऊ में 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के पीछे कहीं साइबर अटैक तो वजह नहीं? सांसद संजय राउत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सवाल खड़े किए हैं। इस हादसे में 265 लोगों की मौत हो गई। संजय राउत का कहना है कि दुश्मन देश कई बार भारत के सैन्य प्रतिष्ठानों पर साइबर हमला करने की कोशिश कर चुके हैं। कहीं अहमदाबाद विमान हादसे के पीछे भी दुश्मन की कोई साजिश तो नहीं है?

मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संजय राउत ने विमान हादसे के पीछे साइबर हमले की आशंका जताई है। संजय राउत के अनुसार, मुमकिन है कि किसी दुश्मन देश ने विमान के सिस्टम पर साइबर हमला करके इस हादसे को अंजाम दिया हो।

संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं एक्सपर्ट नहीं हूं। मगर अहमदाबाद में जिस तरह से विमान उड़ान के 30 सेकेंड में ही क्रैश हो गया, उसपर सवाल उठना स्वाभाविक है। कहीं यह किसी दुश्मन देश के द्वारा विमान पर किया गया साइबर हमला तो नहीं था, क्योंकि वो पहले भी भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश कर चुके हैं?

संजय राउत ने कहा- बीजेपी बोइंग डील के सख्त खिलाफ थी। जब यह डील हुई तो प्रफुल पटेल नागरिक उड्डयन मंत्री थे। अब लोग हवाई सफर करने से डरेंगे। एविएशन सेक्टर में मेंटेनेंस सबसे अहम होती है।

अहमदाबाद का मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट किसके पास है? अहमदाबाद में ही यह हादसा क्यों हुआ? अहमदाबाद एअरपोर्ट से उड़ान भरने वाला विमान ही दुर्घटना का शिकार क्यों हुआ?

जल जीवन मिशन घोटाला- राजस्थान के पूर्व मंत्री व सहयोगियों की 47 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री महेश जोशी व उनके सहयोगियों की 47.80 करोड़ रुपये की संपत्तियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जब्त कर लिया है। ईडी ने यह कार्रवाई एक हजार रुपये के जल जीवन मिशन घोटाले के संबंध में की है।

आवासीय फ्लैट और अन्य चल सपत्तियों को जब्त- ईडी के जयपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय ने पूर्व मंत्री महेश जोशी, पदमचंद जैन, महेश मित्तल, सजय बड़ाया, विशाल सक्सेना और उनके परिवार के सदस्यों/संबंधित फर्मों की कृषि भूमि, आवासीय फ्लैट और अन्य चल सपत्तियों को जब्त किया है।

ईडी ने यह कार्रवाई पीएमएलए, 2002 के प्रावधानो के तहत की है। ईडी की ओर से मिली जानकारी के अनुसार यह घोटाला अशोक गहलोत की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार के दौरान हुआ था। अप्रैल में जोशी को ईडी ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था।

2700 करोड़ के नेक्सा एवरग्रीन धोखाधड़ी मामले में ईडी की छापेमारी पूरी - 2700 करोड़ रुपए के नेक्सा एवरग्रीन मनी लॉड्रिंग व धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की कार्रवाई शुक्रवार को पूरी हो गई। ईडी ने इस दौरान 2.04 करोड़ रुपये नकद को सीज करने के साथ ही नेक्सा ग्रुप से जुड़े विभिन्न खातों व क्रिप्टो अकाउंट्स में जमा 15 करोड़ रुपये की राशि फ्रीज कर दिया है।

अहमदाबाद प्लेन हादसे के पीड़ितों के लिए 50 लाख मुआवजे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो डॉक्टरों ने सुप्रीम कोर्ट में एक पत्र याचिका दायर की है, जिसमें अहमदाबाद में विमान दुर्घटना पीड़ितों को पर्याप्त मुआवजा प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है। डॉ. सौरव कुमार और डॉ. ध्रुव चौहान द्वारा शुक्रवार को दायर याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि वह केंद्र सरकार को सभी मृतक पीड़ितों के परिवारों के लिए 50 लाख रुपये के अंतरिम मुआवजे की तुरंत घोषणा और वितरण करने का निर्देश दे, जिनमें अहमदाबाद के बीजे मेडिकल कॉलेज के रेजीडेंट डॉक्टर भी शामिल हैं।

मणिपुर में युद्ध जैसी तैयारी में लगे थे उग्रवादी, सुरक्षाबलों को मिला हथियारों का जखीरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा में अब भले ही कमी आ गई हो लेकिन उग्रवादी संगठन बड़ी साजिश में लगे हुए हैं। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने इंफाल घाटी के पांच जिलों से 300 से अधिक राइफल समेत बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात खुफिया सूचना पर आधारित एक समन्वित अभियान के दौरान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सेना की संयुक्त टीमों ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए।

अधिकारी ने कहा कि जब्त की गई वस्तुओं में 151 एसएलआर, 65 इंसास राइफल, 73 अन्य राइफल, पांच कार्बाइन, दो एमपी5 बंदूक, 12 हल्की मशीन गन, एके सीरीज की छह राइफल, दो अमोघ राइफल, एक मोर्टार, छह पिस्तौल, एक एआर-15 और दो फ्लेयर बंदूक शामिल हैं।

धिकारी ने बताया कि घाटी के विभिन्न जिलों - इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और थौबल में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद छिपाए जाने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया, जिससे बड़ी मात्रा में बरामदगी हुई। उन्होंने कहा कि यह अभियान सामान्य स्थिति बहाल करने, लोक व्यवस्था बनाए रखने और जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में लोगों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों में सुरक्षा बलों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को थौबल, काकचिंग, इंफाल पश्चिम और तेंग्नौपाल जिलों से गिरफ्तारियां की गईं। 'यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (यूपीपीके) के एक सदस्य को काकचिंग जिले के लैंगमीडोंग मैनिंग लेइकाई से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध की पहचान अकोईजाम रॉबिन्सन (51) के रूप में हुई है, जिस पर इंफाल के स्कूलों से जबरन वसूली करने का आरोप है। उन्होंने कहा कि उसके पास से .32 पिस्तौल जब्त की गई है। प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (नोयोन) के एक सदस्य को थौबल जिले के थौबल मेला ग्राउंड से गिरफ्तार किया गया, जबकि पीआरईपीएके (प्रो) और पीआरईपीएके के एक-एक सदस्य को तेंग्नौपल जिले के शांगतोंग में भारत-म्यांमा सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया।

हां, परमाणु ठिकानों को पहुंचा नुकसान, इजरायल के दावों पर ईरान ने ही लगा दी मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच तनाव अब सैन्य संघर्ष में बदल चुका है. इजरायल ने गुरुवार देर रात ईरान पर ड्रोन हमले किए। इजरायल ने इस कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया था। इजरायल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया।

इजरायल का उद्देश्य ईरान में मौजूद परमाणु संयंत्र को तबाह करना था। द्वुष्ठस्त्र ने पूरी तैयारी के साथ अपने मिशन को अंजाम दिया। इजरायली सेना ने शिराज, तबरीज और नतांज में मौजूद न्यूक्लियर साइट पर बमबारी की। इन हमलों में ईरान के 6 परमाणु वैज्ञानिकों की भी मौत हो हई।

इजरायल ने दावा किया कि ईरान के प्रमुख परमाणु साइट नतांज को भारी नुकसान पहुंचा है। नतांज वो जगह है, जहां ईरान यूरेनियम एनरिचमेंट कर रहा था। यूरेनियम को एनरिच करने के बाद ही इससे परमाणु बम बनाया जाता है।

ईरान ने भी इस बात को माना है कि इजरायली हमले में उसके फोर्डो संवर्धन स्थल को नुकसान पहुंचा है। ईरान के परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रवक्ता बेहरोज कमालवंडी ने कहा, फोर्डो संवर्धन स्थल को थोड़ी नुकसान पहुंची है। हालांकि,हमने पहले ही उपकरणों और सामग्रियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हटा दिया था, और कोई व्यापक क्षति नहीं हुई और कोई संदूषण संबंधी चिंता नहीं है।

फोर्डो संवर्धन स्थल पर ईरान, यूरेनियम की क्षमता बढ़ाने और विकसित करने का काम कर रहा है। साल 2015 में परमाणु समझौते में फोर्डो में संवर्धन की इजाजत नहीं थी। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने साल 2009 में खुलासा किया था कि ईरान, इस जगह पर करीब 2000 हाईटेक IR-6 सेंट्रीफ्यूज काम कर रहे हैं।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम के दिल पर हुआ हमला- इजरायल ने सबसे बड़ा हमला नातांज परमाणु संयंत्र पर किया है। इसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम का दिल माना जाता है। नातांज परमाणु संयंत्र काफी ज्यादा संवेदनशील है। यहां पर ईरान के परमाणु कार्यक्रम का एक बड़ा हिस्सा ऑपरेट होता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, ईरान अब तक इतना संवर्धित यूरेनियम जमा कर चुका है कि वह कुछ हफ्तों में परमाणु हथियार बना सकता है। ईरान के इस्फहान प्रांत में स्थित संयंत्र ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम का केंद्र है। यह दो मुख्य हिस्सों में बंटा है।

फ्यूल एनरिचमेंट प्लांट - यह भूमिगत फैसिलिटी है, जिसमें लगभग 50,000 सेंट्रीफ्यूज रखने की क्षमता है। वर्तमान में यहां करीब 14,000 सेंट्रीफ्यूज हैं, जिनमें से 11,000 सक्रिय हैं। ये पांच प्रतिशत तक की शुद्धता के साथ यूरेनियम संवर्धन करते हैं।

इजरायल के हमले में ईरानी आर्मी चीफ समेत कई टॉप कमांडरों की मौत, अब इन लोगों को सौंपी गई कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच जारी टेंशन के दौरान इजरायल ने हवाई हमले कर ईरान के आर्मी चीफ समेत टॉप कमांडरों को मार दिया था। अब ईरान के कमांडर-इन-चीफ अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई ने देश के सैन्य नेतृत्व के पुनर्गठन के लिए प्रमुख नियुक्तियों की घोषणा की है।

कौन बना सेना का मुख्य कमांडर- ईरानी सरकारी मीडिया इरना के अनुसार, मेजर जनरल आमिर हतामी को इस्लामी गणतंत्र ईरान की सेना का मुख्य कमांडर नियुक्त किया गया है। हातमी इससे पहले 2013 से 2021 तक ईरान के रक्षा मंत्री भी रह चुके हैं।

इरना ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि अपने आधिकारिक आदेश में खामेनेई ने हातमी के समर्पण, क्षमता और अनुभव की प्रशंसा की और उनके नेतृत्व में परिवर्तनकारी और क्रांतिकारी दृष्टिकोण का आह्वान किया।

सशस्त्र सेना प्रमुख की नियुक्ति - ईरान के पूर्व सशस्त्र सेना प्रमुख जनरल मोहम्मद हुसैन बाघेरी की हत्या के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने मेजर जनरल सैय्यद अब्दुलरहीम मौसवी को उनका उत्तराधिकारी नियुक्त किया है।

ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, खामेनेई ने मौसवी के कार्यकाल के दौरान उनके ईमानदार और मूल्यवान प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। एक्स पर एक पोस्ट में खामेनेई ने लिखा, इजरायल के हाथों लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद हुसैन बाघेरी की शहादत को देखते हुए और मेजर जनरल सैय्यद अब्दुलरहीम मौसवी की सराहनीय सेवाओं और मूल्यवान अनुभव के मद्देनजर, मैं उन्हें सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में नियुक्त करता हूं।

धरा रह गया खालिस्तानियों का विरोध, भारत-कनाडा ने कर ली बहुत बड़ी डील

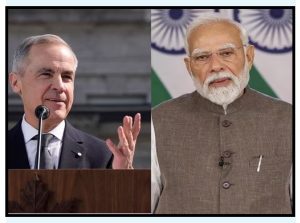

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय अपराध और उग्रवादी गतिविधियों से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी साझा करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच लगभग दो साल पहले 2023 में शुरू हुए तनाव को कम करने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस प्रस्तावित समझौते के तहत दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियां आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और ट्रांसनेशनल क्राइम सिंडिकेट्स के संबंध में खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान करेंगी। कनाडा के लिए यह पहल उन मामलों में भी महत्वपूर्ण है जहां कथित तौर पर एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग यानी न्यायेतर हत्या की जांच की जा रही है। यहां सबसे खास बात ये है कि कनाडा ने खालिस्तानियों के विरोध के बावजूद भारत के साथ इस तरह की बड़ी डील की है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी सूत्रों ने बताया कि इस समझौते की डिटेल को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है, और यह स्पष्ट नहीं है कि इसे सार्वजनिक रूप से कब घोषित किया जाएगा।

जो बहादुर बन रहे थे, अब वो मारे जा चुके हैं, ट्रंप की ईरान को धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने शुक्रवार सुबह ईरान पर हमला बोला। इजरायल ने इस दौरान ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया। इजरायली सेना के हमले में ईरान के 20 वरिष्ठ कमांडर और साइंटिस्ट के मारे जाने की की खबर है। इस बीच ईरान ने भी इजरायल पर पलटवार किया है।

दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान ने अगल जल्दी समझौता नहीं किया तो, हमले और भी कठोर होंगे जो विनाश का कारण बनेंगे।

समझौता कर लें इससे पहले की देर हो जाए- ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी दी कि वह इससे पहले कि बहुत देर हो जाए समझौता कर ले। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया में सबसे बेहतरीन और सबसे घातक हथियार बनाता है और इजरायल के पास बहुत सारे ऐसे घातक हथियार हैं।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक बयान में लिखा कि मैंने ईरान को सौदा करने के लिए कई मौके दिए।

लंदन में खालिदा के बेटे से मिलते ही बदले युनूस के सुर, अब अगले साल फरवरी में करा सकते हैं चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने संकेत दिए हैं कि देश में अगले राष्ट्रीय चुनाव फरवरी 2026 की शुरुआत में आयोजित किए जा सकते हैं। यह बयान लंदन में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद आया है, जिसे कई लोग बांग्लादेश की राजनीति के लिए गेम-चेंजर मान रहे हैं।

यूनुस अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख बने थे। उन्होंने तारिक रहमान के साथ लंदन में चार दिवसीय आधिकारिक दौरे के दौरान मुलाकात की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने देश की राजनीतिक स्थिति, सुधारों और चुनाव की समयसीमा पर चर्चा की। एक संयुक्त बयान में कहा गया, मुख्य सलाहकार ने घोषणा की कि सभी तैयारियां पूरी होने पर चुनाव अगले साल फरवरी के पहले हफ्ते में आयोजित किए जा सकते हैं।

बीएनपी की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने सुझाव दिया कि चुनाव रमजान से पहले, यानी फरवरी 2026 के मध्य तक, आयोजित किए जाएं। खालिदा जिया ने भी इस समयसीमा का समर्थन किया, उनका मानना है कि यह समय मौसम और धार्मिक अवधि के लिहाज से उपयुक्त होगा।

लंदन बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मतदान की आयु 18 वर्ष ही रहेगी और मतदाता सूची को नए सिरे से अपडेट नहीं किया जाएगा। ये फैसले देश को मध्य-फरवरी 2026 तक एक निर्वाचित सरकार की ओर तेजी से ले जाने के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, यूनुस और बीएनपी ने एक समावेशी प्रक्रिया के लिए सहमति जताई, जिसमें प्रशासनिक सुधारों को भी तेज किया जाएगा।

इजरायल ने परमाणु ठिकाने किए ध्वस्त, तो ईरान ने आयरन डोम को चकमा देकर किया बड़ा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को इजरायल ने ईरान पर ताबड़तोड़ हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने शनिवार सुबह इजरायल पर मिसाइल हमले किए, जिसमें विशेष रूप से इजरायल के उत्तरी क्षेत्र को निशाना बनाया गया।

ईरान के हमले को देखते हुए इजरायल के उत्तरी क्षेत्र में सायरन बजने लगे हैं और वहां की सरकार ने लोगों से बंकरों में शरण लेने का आग्रह किया है। यह घटना ईरान द्वारा इजरायल के विरुद्ध सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलों के दागे जाने के कुछ ही घंटों बाद हुई, जिससे मिडिल-ईस्ट में संघर्ष बढ़ने और वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने का खतरा है।

ईरान ने इजरायल के शहरों को बनाया निशाना- मिडिल-ईस्ट से कई तरह के वीडियोज सामने आए हैं, जिसमें साफतौर से देखा जा सकता है कि इजरायल के कई बड़े शहरों को निशाना बनाकर मिसाइल हमले किए गए हैं। इससे पहले इजरायल ने ईरान पर हमला कर कई शीर्ष ईरानी जनरल को मार गिराया था।

ईरान द्वारा किए गए हमले के बाद इजरायली सेना ने कहा, पिछले एक घंटे में ईरान ने इजरायल पर दर्जनों मिसाइलें दागी हैं, जिनमें से कुछ को रोक दिया गया। ईरान ने इजरायल के तेल अवीव और यरुशलम में हमले किए हैं।

इस बीच ईरान में सरकारी मीडिया ने बताया कि जवाबी हमले की आशंका को देखते हुए हवाई सुरक्षा को फिर से सक्रिय कर दिया गया है। दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव ने आक्रामकता को और आगे बढ़ा दिया है।

ईरान से टकराव के बीच इजरायल ने भारत का गलत नक्शा किया पोस्ट, कश्मीर को दिखाया PAK का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल रक्षा बल ने शुक्रवार को एक गलती करते हुए भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का गलत नक्शा पोस्ट कर दिया था, जिसके बाद उसने माफी मांगी है। इस नक्शे में जम्मू और कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया था।

इस गलती के बाद आईडीएफ ने स्वीकार किया है नक्शे में सीमाओं को सटीक रूप से दिखाने में गलती हुई। लेकिन दावा किया कि नक्शे में सिर्फ क्षेत्र को दर्शाया गया था। IDF की पोस्ट के बाद कई भारतीय यूजर्स ने गुस्से में पोस्ट किया और आईडीएफ की गलती को बताया और इजरायली सेना से पोस्ट को वापस लेने को कहा।

इंडियन राइट विंग कम्युनिटी नामक एक एक्स हैंडल से पोस्ट पर इजरायली सेना ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ÷यह पोस्ट इस क्षेत्र का चित्रण है। नक्शे में सीमाओं को दिखाने में गलती हुई। हम किसी भी तरह की ठेस के लिए माफी मांगते हैं।

अभी तक नहीं आई भारत सरकार की प्रतिक्रिया- भारत ने हमेशा से यह स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, जिसके कुछ हिस्सों पर पाकिस्तान और चीन ने दशकों से अवैध रूप से कब्जा कर रखा है, देश का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। मई में पहलगाम हमले और फिर ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी ने भी यही बात दोहराई थी।

पहले सिखाते भाषा-बोली, फिर बनाते भारतीय; बंगाल में घुसपैठ के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार से बांग्लादेश के रास्ते भारत आने वाले घुसपैठियों को एजेंटों के जरिये सुनियोजित तरीके से भारत में बसाया जा रहा है। रोहिंग्य को भारत में दाखिल कराने के लिए गुवाहाटी और बंगाल से एजेंटों का नेटवर्क संचालित है।

ये बांग्लादेश से पारगमन समझौते की आड़ में रोहिंग्या को भारत में घुसपैठ करने में मदद करते हैं। एक बार जब रोहिंग्या देश में आ जाते हैं, तो उन्हें यहां अन्य हिस्सों में ले जाने से पहले बंगाल के मालव, नादिया, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों को अस्थायी बस्तियों में रोका जाता।

सिखाई जाती उर्दू और हिन्दी भाषा- इन बस्तियों में उन्हें उर्दू और हिंदी बोलना सीखते हैं। उसके बाद जहां उनको भेजा जाता है, वहां के स्थानीय मुस्लिम संगठनों के जरिए रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के भारतीय दस्तावेज बनवाए जाते हैं। यह सच्चाई 20 मई को कानपुर में पकड़े गए रोहिंग्या साहिल से पूछताछ के बाद सामने आई है।

वह आठ साल पहले परिवार के 14 सदस्यों के साथ म्यांमार से बांग्लादेश पहुंचा, वहां से बंगाल के रास्ते दिल्ली पहुंच कर वहां मस्जिदों में रहने के बाद नेटवर्क के जरिये उन्नाव के शुक्लागंज के शक्तिनगर गंगा कटरी आ बसा।

किस-किस की हुई पहचान?

स्थानीय नेटवर्क में शामिल पूर्व सभासद शहजादे की मदद से आधार और ड्राइविंग लाइसेंस के साथ निवास प्रमाणपत्र तक बनवा लिए। खहिल पत्नी अनीदा, भाई अनवर, उसकी पत्नी नूर, छोटा भाई हबीबउल्ला, असमत, मो रोहिमा बेगम, पिता याहिया, बहन सिनवारा, बहनोई जुनैद के अलावा चार बच्चों के साथ रह रहा था। पुलिस ने अजीदा, सिनवारा व नूर को जेल भेजा था। बच्चे भी जेल में माता-पिता के साथ हैं।

शुभांशु शुक्ला के ISS में जाने की तारीख तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने Ax-04 मिशन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया था। हालांकि अब इस मिशन को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। इसरो ने Ax-04 मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर ली है। शुभांशु शुक्ला 19 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होंगे।

Ax-04 मिशन को नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन SpaceX, ISRO और Axiom Space का संयुक्त मिशन है। मिशन लॉन्च होने के साथ ही शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जाने वाले चुनिंदा भारतीयों की फेहरिस्त में शामिल हो जाएंगे।

बता दें कि यह मिशन पहले ही लॉन्च होने वाला था। हालांकि Falcon 9 रॉकेट में लिक्विड ऑक्सीजन लीकेज की समस्या देखने को मिली थी, जिसके बाद मिशन को पोस्टपोन कर दिया गया था। हालांकि मिशन की अगली तारीख की घोषणा नहीं हुई थी। वहीं, अब इसरो ने साफ कर दिया है कि शुभांशु शुक्ला 19 जून को अंतरिक्ष में जाएंगे।

47 साल पहले भी मिला था अहमदाबाद जैसा जख्म

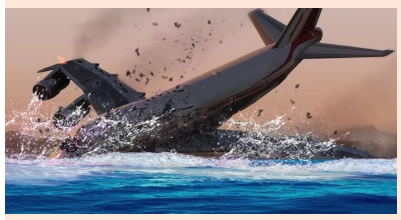

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया का प्लेन-ढ्ढ-171, जो बोइंग 787-8 का एक ड्रीमलाइनर विमान था वह गुरुवार को बड़े हादसे का शिकार हो गया। इस घटना में विमान में सवार 242 लोगों में से 241 लोगों की मौत हो गई।

यह विमान हादसा भारत के सबसे बड़े विमान हादसों में से एक है। इससे पहले साल 1978 में भी एक बड़ा विमान हादसा हुआ था, जिसमें 213 लोगों की मौत हो गई थी। 47 साल पहले भी एअर इंडिया का ही एक विमान अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

साल 1978 की घटना- 1978 में नए साल के पहले दिन एअर इंडिया का विमान AI-855, जिसका नाम एंपरर अशोका था, उसने मुंबई के सांता क्रूज इंटरनेशनल एअरपोर्ट (अब छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) से दुबई के लिए उड़ान भरा था।

इस विमान में 190 यात्री और 23 क्रू मेंबर्स थे। विमान ने रात के वक्त रनवे संख्या 27 से टेकऑफ किया था और 18 हजार फीट की ऊंचाई पर जाकर अरब सागर की तरफ विमान हल्का सा मुड़ा था, लेकिन इस विमान का एल्टीट्यूड डायरेक्टर इंडिकेटर खराब था।

एडीआई खराब होने की वजह से विमान के समतल होने पर भी विंग सीधे झुके होने का इशारा कर रहा था। इस विमान को 51 वर्षीय पायलट मदन लाल कुकर और इंदु विरमानी उड़ा रहे थे। एक के पास 18 हजार घंटे तो दूसरे के पास 4500 घंटे विमान उड़ाने का अनुभव था।

अहमदाबाद हादसे के बाद करीब आए कुकी और मैतेई समुदाय, केबिन क्रू है वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया के प्लेन क्रैश में सभी सवार 241 लोगों की मौत हो गई। इसमें केबिन क्रू के सदस्य भी शामिल हैं। इसी केबिन क्रू के दो सदस्य लैमनुंथीम सिंगसन और नगंथोई शर्मा मणिपुर की रहने वाली हैं।

लैमनुंथीम कुकी समुदाय की थी, जबकि नगंथोई मैतेई थीं। इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में दोनों की ही जान चली गई है। लंबे वक्त से मणिपुर में हिंसा का दंश झेल रहा है। यहां कुकी और मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष हो रहा है। लैमनुंथीम और नगंथोई की मौत के बाद यह संघर्ष अब थोड़े वक्त के लिए थम सा गया लगता है।

पूरे देश में पसरा शोक- मणिपुर से लेकर दिल्ली तक अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी जा रही है। लैमनुंथीम और नगंथोई दोनों के ही परिवार उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर संवेदना व्यक्त की जा रही है और नागरिक संगठन के लोग भी मदद के लिए आगे आए हैं।

दिल्ली स्थित मैतेई हेरिटेज सोसाइटी के सदस्यों ने कहा कि पूरा मणिपुर इस दुखद घटना के लिए सामूहिक रूप से दुखी है। हमने अपनी संकीर्ण सामुदायिक सीमाओं को इससे परे रखा है। दिल्ली में कुकी छात्र संगठन ने हादसे में मृत लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडिल मार्च निकाला।

लैमनुंथीम और नगंथोई दोनों के ही परिवार के सदस्य डीएनए परीक्षण के लिए अहमदाबाद पहुंचे हैं। बता दें कि अहमदाबाद से लंदन जाने के लिए एअर इंडिया की फ्लाइट ने उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही सेकेंड बाद विमान को लिफ्ट नहीं मिली और वह क्रैश हो गया था।

कांपते हाथों से बनाए गए ताबूत, एअर इंडिया ने दिए 100 से ज्यादा Coffins के ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस दुखद हादसे में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई।

मृतकों के पार्थिव शरीर उनके परिवारों तक सम्मानपूर्वक पहुंचाने के लिए वडोदरा की एक संस्था को 120 ताबूत बनाने का ऑर्डर दिया गया है। इनमें से 50 ताबूत आज यानी 14 जून 2025 को अहमदाबाद भेजे जाएंगे। बता दें 25 ताबूत दोपहर 3 बजे तक और शेष 25 ताबूत रात तक पहुंचाए जाएंगे।

दिन रात काम में जुटे ताबूत बनाने वाले कारीगर- वडोदरा की इस संस्था में सात से आठ कारीगरों की टीम दिन-रात काम में जुटी है। एक ताबूत बनाने में दो से तीन घंटे का समय लगता है। कारीगरों ने बताया कि इस तरह के हादसे के लिए इतनी बड़ी संख्या में ताबूत बनाना भावनात्मक रूप से बेहद मुश्किल है। एक कारीगर ने कहा, मन विश्वास करने को तैयार नहीं होता कि इतने लोगों की एक साथ जान चली गई। फिर भी, हम मृतकों के प्रति सम्मान के साथ काम कर रहे हैं।

ताबूत बनाने की प्रक्रिया में विशेष सावधानी बरती जा रही है। मृतकों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ताबूत की लंबाई और ऊंचाई का खास ख्याल रखा जाता है। हरेक ताबूत में एक खास प्लास्टिक बैग रखा जाता है, ताकि मृतक के शरीर को पानी या Insect से सुरक्षित रखा जा सके। लकड़ी से बने ये ताबूत इस तरह तैयार किए जाते हैं कि मृतक के अवशेष सुरक्षित रहें।

कारीगरों ने कल देर रात तक काम कर 25 ताबूत तैयार किए। इसे आज दोपहर 3 बजे तक अहमदाबाद भेजे जाएंगे। इसके बाद रात तक अगले 25 ताबूत भी भेज दिए जाएंगे। बाकी 70 ताबूत अगले कुछ दिनों में तैयार कर भेजे जाएंगे। इस हादसे ने न केवल मृतकों के परिवारों, बल्कि ताबूत बनाने वालों को भी गहरे सदमे में डाल दिया है।

650 फीट की ऊंचाई पर विमान में खराबी आई, प्लेन क्रैश को लेकर MCA सचिव ने क्या-क्या दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश ने न सिर्फ गुजरात बल्कि पूरे देश को दहला कर रख दिया है। हादसे को 48 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन इसकी वजह अभी तक सामने नहीं आई है। 12 जून की दोपहर आखिर क्या हुआ था? अहमदाबाद से लंदन जा रहा प्लेन टेकऑफ करते ही कुछ दूर जाकर कैसे क्रैश हो गया? इन सभी सवालों के जवाब ढूंढे जा रहे हैं। इसी बीच नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने पूरी घटना का विवरण साझा किया है।

समीर कुमार सिन्हा के अनुसार, 12 जून को लगभग 2 बजे हमें सूचना मिली कि अहमदाबाद से लंदन जा रहा प्लेन क्रैश हो गया है। अधिक जानकारी के लिए हमने फौरन अहमदाबाद ATC से संपर्क किया। हमें पता चला कि AI 171 में कुल 242 लोग सवार थे। इनमें 230 पैसेंजर्स, 2 पायलट और 10 क्रू मेंबर्स थे।

समीर कुमार सिन्हा ने बताया -

इस विमान ने 1:39 बजे रनवे से उड़ान भरी। 650 फीट के बाद विमान में कुछ खराबी आ गई और विमान ऊंचाई नहीं पकड़ पाया। इसी समय विमान के पायलट ने अहमदाबाद ATC को सूचना दी कि यह मेडे (पूरी तरह से आपातकालीन स्थिति) है।

समीर कुमार सिन्हा ने आगे बताया, ATC के अनुसार जब उन्होंने विमान से संपर्क करने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। ठीक 1 मिनट बाद विमान एअरपोर्ट से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मेघानी नगर इलाके में क्रैश हो गया।

पेरिस-दिल्ली-अहमदाबाद तक भरी थी सुरक्षित उड़ान- AI171 की अन्य उड़ानों की जानकारी देते हुए समीर सिन्हा ने बताया लंदन के लिए उड़ान भरने से पहले यह विमान पेरिस से दिल्ली और फिर दिल्ली से अहमदाबाद गया था। इस दौरान कोई भी हादसा नहीं हुआ। प्लेन क्रैश के बाद अहमदाबाद रनवे को 2:30 बजे बंद कर दिया गया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

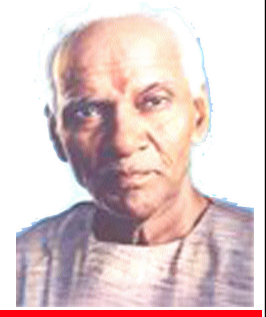

संपादकीय

भारत बहुसंस्कृति वाला देश है। पर्वों की अद्भुत श्रृंखला में भारत के कोने कोने में विशेष पर्व और मेले आयोजित होते रहते हैं

भारत बहुसंस्कृति वाला देश है। पर्वों की अद्भुत श्रृंखला में भारत के कोने कोने में विशेष पर्व और मेले आयोजित होते रहते हैं। मेलों का एक निश्चित समय होता है तथा मेले किसी विशिष्ट परम्परा का निर्वहन करते हैं । यही कारण है कि कुछ मेले आदिकाल से अपनी विशिष्ट पहचान के लिए प्रसिद्ध हैं, किंतु जब से बाज़ारवादी व्यवस्था ने समाज में प्रवेश किया है तथा घर बैठे उपयोगी सामग्री मंगाने का चलन प्रारम्भ हो गया है। इन मेलों पर अपने अस्तित्व को बचाने का संकट मंडराने लगा है।

एक समय था कि जब देश के कुछ परिवारों के लिए मेले ही आजीविका का प्रमुख साधन थे। व्यापारी मेलों के माध्यम से ही वर्ष भर अपनी आजीविका चलाते थे । उत्तर भारत में अलीगढ़ से चलने वाली मेला श्रृंखला बुलन्दशहर होते हुए मेरठ के मेला नौचंदी तक का सफ़र तय करती थी, तदुपरांत मुज़फ़्फ़र नगर की नुमाइश से आगे बढ़ा करती थी। अब कुछ भी समयानुसर नहीं चल रहा । मेलों के माध्यम से अपना भरण पोषण करने वाले झूला संचालकों, सर्कस संचालकों, व्यवसाइयों के सम्मुख रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है। उत्तर भारत के प्रख्यात मेले नौचंदी का ही उदाहरण लें, तो स्पष्ट होगा कि देश भर के अनेक मेलों की तरह यह भी अपना ऐतिहासिक स्वरूप बचाए रखने हेतु जूझ रहा है। कारण स्पष्ट है कि जिन मेलों का आयोजन विशिष्ट समय पर किया जाना अपेक्षित होता है। वे मेले प्रशासनिक उदासीनता के चलते अपनी विशिष्ट ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को नकारकर सरकारी औपचारिकता और धन की बंदरबाँट तक ही सीमित रह गए हैं। एक समय था कि जब मेला नौचंदी उत्तर भारत में साम्प्रदायिक सद्भाव की मिसाल होता था। मेले का आनंद लेने के लिए मेरठ में दूरदराज़ से नाते रिश्तेदार इकट्ठा हुआ करते थे। मेले में अपने सामान की बिक्री करने के लिए देश विदेश से व्यापारी आया करते थे। बरेली का फ़र्नीचर, कन्नौज की इत्र, भागलपुर की चादरें, कुछ अन्य विशिष्ट सामग्री जो केवल मेले में ही उपलब्ध हुआ करती थी। सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों में विश्व विख्यात विद्वान भागीदारी किया करते थे ।

कवि सम्मेलन, मुशायरा, क़व्वाली , सिने स्टार नाइट मेले को यादगार बनाने में बड़ी भूमिका निभाते थे। तम्बू में थिएटर, एक से अधिक सर्कस, नौटंकी मनोरंजन के सशक्त माध्यम हुआ करते थे । मेला होली पर्व के उपरांत एक रविवार को छोड़कर दूसरे रविवार से आयोजित किया जाना अनिवार्य होता था। यह वह समय होता था कि जब चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारम्भ नववर्ष में चण्डी माता का व्रत धारण करने वाले श्रद्धालु माँ चण्डी के मंदिर के प्रसाद चढ़ाने आते थे तथा मंदिर के ठीक सामने बाले मियाँ की मज़ार पर रात भर क़व्वालियों की महफ़िल जमा करती थी। अब मेला ढाई तीन माह के विलम्ब से प्रारम्भ होता है। ऐसे में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की औपचारिकता मात्र निभाई जाती है। बिना दर्शकों के मेला पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। हर कोई जानता है कि जैसे जैसे आम आदमी जागरूक हो रहा है। वैसे वैसे मेलों के माध्यम से सरकारी धन की बंदरबाँट के लिए प्रभावशाली लोग नए नए मार्ग खोज रहे हैं। सत्ता से जुड़े लोग मेलों के आयोजन में अधिक सक्रिय भूमिका निभाते हैं तथा मेला आयोजन के लिए बनाए गए बजट का दुरुपयोग करने में पीछे नहीं रहते। विडम्बना यह भी है कि मेलों के परम्परागत स्वरूप से खिलवाड़ करके अनेक मेलों का समय प्रशासनिक सुविधाओं से बदलने का चलन बढ़ गया है, जिसे किसी भी स्थिति में उचित नही ठहराया जा सकता। यदि ऐसा ही चलता रहा तो मेलों के विशिष्ट उद्देश्य को

सतीश चंद्र दासगुप्ता

सतीश चंद्र दासगुप्ता भारतीय राष्ट्रवादी, वैज्ञानिक और आविष्कारक थे। वह जितना सम्मान रसायन विज्ञान का करते थे, उतना ही सम्मान बढ़ई एवं लोहार के कामों का भी करते थे। विज्ञान के साथ-साथ वे व्यावहारिक जीवन में भी सफल व्यक्ति थे।

परिचय

सतीश चंद्र दासगुप्ता का जन्म 14 जून, 1880 को बंगाल स्थित कूरिग्राम गांव के रंगपुर में हुआ था। यह गांव अभी बांग्लादेश की सीमा में आता है। सतीश चंद्र का जन्म बहुत गरीब परिवार में हुआ था। वह महात्मा गाँधी के सहयोगियों में सबसे अन्त तक जीवित रहने वाले व्यक्तियों में से एक थे।

शिक्षा

सतीश चंद्र दासगुप्ता ने अपनी स्नातक शिक्षा अपने गांव से पूर्ण करने के बाद, रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर कोलकाता के प्रेसीडेन्सी कॉलेज से 1906 में पूर्ण किया। उन्होंने यह डिग्री जाने-माने वैज्ञानिक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के मार्गदर्शन में पूर्ण की। डिग्री पूर्ण करने के बाद वह आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की लेबोरेट्री में ही काम करने लगे। सतीश चंद्र दासगुप्ता की लगन को देखकर आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय ने उन्हें अपने ही द्वारा स्थापित उद्योग में फैक्ट्री सुपरवाइज़र का पद दे दिया। प्रफुल्ल चंद्र राय की फैक्ट्री का नाम 'बंगाल केमिकल वर्क्स' था। यहां पर श्री सतीश चंद्र दासगुप्ता ने 18 वर्ष तक अपनी सेवाएँ दीं। इन 18 वर्षों में उन्होंने कई आविष्कार एवं नवाचार किए।

महत्त्वपूर्ण योगदान

बीसवीं शताब्दी के पूर्व में महंगा एवं बहुत सारा माल विदेश से आयात किया जाता था। सतीश चंद्र दासगुप्ता ने ऐसी कई तकनीक ढूंढ़ निकालीं, जिससे उस माल का उत्पादन भारत में ही होने लगे। स्ट्राइसनाईन अल्कलॉइड्स का आविष्कार, चाय के खराब पत्तों से कैफीन निकालना, कई तरह की प्राकृतिक स्याही का आविष्कार, तेल जैसे कई आविष्कारों को सतीश चंद्र दासगुप्ता ने अंजाम दिया। इसके अलावा उन्होंने कई रासायनिक औज़ारों का भी आविष्कार किया, जिनमें से मुख्य था- फायर एक्सटिंग्विशर का आविष्कार। 20वीं शताब्दी के शुरुआती दशक में फायर एक्सटिंग्विशर बेहद महंगा आता था।

सतीश चंद्र दासगुप्ता ने एक फायर एक्सटिंग्विशर खरीद कर, उसको खोल कर, उसकी जांच की और अपनी बुद्धि लगाकर ऐसा फायर एक्सटिंग्विशर बनाया जो कि पहले वाले फायर एक्सटिंग्विशर की कीमत का एक चौथाई था, वह भी फायदा मिलाकर। इस फायर एक्सटिंग्विशर को सन 1919 के समय मेसोपोटामिया में हो रहे पहले विश्व युद्ध में बेचा गया। इसकी बिक्री के दौरान फैक्ट्री को सब कुछ मिला करके ? 4,00,000 का फायदा हुआ। इसमें से आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय ने 2,00,000 सतीश चंद्र दास गुप्ता को दे दिए।

सतीश चंद्र दासगुप्ता और गाँधीजी

सन 1921 में सतीश चंद्र दासगुप्ता ने महात्मा गाँधी के दर्शन पहली बार किए। महात्मा गाँधी से बातचीत होने के पश्चात वे महात्मा गाँधी के भक्त हो चुके थे। वे चाहते थे कि अपनी पूरी कमाई महात्मा गाँधी के द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यों में दान दे दें। महात्मा गाँधी ऐसा नहीं चाह रहे थे। वे चाहते थे कि सतीश जी आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के साथ रहकर वैज्ञानिक क्षेत्र में ही आगे बढ़ें। फैक्ट्री के कर्मचारियों ने भी सतीश चंद्र दासगुप्ता को रोकने का प्रयत्न किया। पर एक दिन सतीश जी फैक्ट्री को छोड़कर महात्मा गाँधी के साथ चल दिए। यह सन बात 1923 की है। महात्मा गाँधी ने सतीश जी से कहा कि यदि आप भारत की सेवा करना चाहते हैं तो आपको खादी की सेवा करनी चाहिए। यह बात सतीश जी को जंच गई।

सोडेपुर खादी प्रतिष्ठान की स्थापना

सतीश चंद्र दासगुप्ता ने कुछ ही दिनों के अंतराल में कोलकाता (भूतपूर्व कलकत्ता) की सीमा पर 'सोडेपुर खादी प्रतिष्ठान' की स्थापना की। महात्मा गाँधी यहां पर कई बार आते-जाते रहते थे। 1939 में कांग्रेस की सभा जिसमें सुभाष चंद्र बोस ने भी भाग लिया था, सभा के बाद ही सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस से बाहर जाने का इरादा कर लिया था। 9 अगस्त से 13 अगस्त, 1947 तक महात्मा गाँधी यहां पर रहे थे। सोडेपुर को गाँधीजी अपना दूसरा घर मानते थे। महात्मा गाँधी कहते थे कि, मैं साबरमती को सोडेपुर से अलग रखना चाहूँगा। सोडेपुर में खादी की विद्या दी जाती है तो साबरमती में आध्यात्मिक विद्या दी जाती है।

गाँधीजी के अग्रिम सहयोगी

'बंगाल दांडी यात्रा', 'अंग्रेज़ों भारत छोड़ो' ऐसे अनेकों आंदोलनों में हिस्सा लेकर सतीश चंद्र दासगुप्ता जेल भी गए।

आज़ादी के बाद

आज़ादी के बाद सतीश चंद्र दासगुप्ता को सरकार ने कई पद देने चाहे, जैसे कि कॉंसिल ऑफ़ डेका। फिर सतीश चंद्र दासगुप्ता को ताम्रपत्र एवं स्वतंत्रता सेनानी पेंशन मिलनी थी। वह भी सरकार ने उन्हें देनी चाही; पर सतीश जी ने इसे भी अस्वीकार कर दिया। उनका कहना था कि जेल में बिताया हुआ समय, मेरे लिए खुशी का समय था। तब मैंने बहुत सारे रचनात्मक कार्यों को किया। फिर सतीश जी को पहली 'केविक' (द्म1द्बष्) की सदस्यता भी मिली। इसे उन्होंने स्वीकार किया, पर इस संघ ने 'गाँधी चरखा' को बदलकर 'अंबर चरखा' को लाने का उपक्रम किया तो सतीश चंद्र दासगुप्ता ने इस पद से भी इस्तीफा दे दिया।

सतीश चंद्र दासगुप्ता ने 86 वर्ष की उम्र में, गोगरा गांव में कृषि रिसर्च फॉर्म की स्थापना भी की। जिसका उद्देश्य पानी जो मिट्टी को बहाकर ले जाता था, उसको रोकना था। यदि इसमें में सफल हो जाते तो किसानों को बहुत फायदा मिलता। इसी दौरान उन्होंने गाय के गोबर की खाद बनाना व टंकी निर्माण के कार्यों को प्रोत्साहित किया, जिससे किसानों को बहुत मदद मिली।

मृत्यु

सतीश चंद दासगुप्ता जी की मृत्यु 24 दिसम्बर, 1989 को हुई। भारत ऐसे रसायनशास्त्री, स्वतंत्रता सेनानी, गाँधीवादी और खादीवादी को याद रखेगा।

सात साल बाद मुनाफे में लौटी ये एविएशन कंपनी, बाजार खुलते ही शेयरों पर दिखेगा इसका असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय एविएशन कंपनी स्पाइसजेट ने पिछले वित्त वर्ष के चौथे तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। 31 मार्च 2025 को समाप्त होने वाली चौथी तिमाही में कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया है। एयरलाइन कंपनी ने चौथी तिमाही में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। इस दौरान स्पाइसजेट ने 319 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया। लगातार दूसरी तिमाही में स्पाइसजेट ने मुनाफा दर्ज किया है। और यह 7 सालों में पहली बार हुआ है कि कंपनी मुनाफे में लौटी है और पूरे वित्त वर्ष में स्पाइसजेट ने 48 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया है। सोमवार को शेयर बाजार खुलते ही इसका असर कंपनियों के शेयरों पर जरूर पड़ेगा। मजबूत नतीजों के चलते निवेशक स्पाइसजेट के शेयरों पर दांव लगाना चाहेंगे।

बेहतर आय, उच्च यात्री संख्या और लागत नियंत्रण के कारण चौथी तिमाही में स्पाइसजेट का रेवेन्यू 17.6% बढ़कर 1,942 करोड़ रुपये हो गया। EBITDA 209 करोड़ रुपये से बढ़कर 527 करोड़ रुपये हुआ। पैसेंजर लोड फैक्टर 88.1% रहा, जो मजबूत मांग को दर्शाता है।

7 साल बाद मुनाफे में लौटी कंपनी

स्पाइसजेट के साथ ऐसा 7 साल बाद हो रहा है जब वह मुनाफे में लौटी है। लगातार इतने सालों से कंपनी घाटे में चल रही थी। 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए 2024-25 वित्तीय वर्ष में एयरलाइन ने 48 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। वहीं, 2023-24 वित्त वर्ष में कंपनी को 404 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। ऐसे में यह कंपनी के लिए गुड न्यूज है जो यह बता रही है कि कंपनी आने वाले समय में अपने मुनाफे को और बढ़ाने की कोशिश करेगी।

वित्त वर्ष 2025 में कंपनी का रेवेन्यू 6,736 करोड़ रुपये रहा। यात्री RASK में सालाना आधार पर 3.4त्न की वृद्धि हुई, और एयरलाइन ने अवधि के अंत में 683 करोड़ रुपये की पॉजिटिव नेट वर्थ हासिल की।

SBI ने खुशी देकर निवेशकों को दिया गम, इस FD स्कीम की ब्याज दर पर चलाया चाबुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक ने पहले होम लोन की ब्याज दरों में कटौती करके ग्राहकों को खुशी दी। फिर एफडी में निवेश करने वालों को झटका दे दिया। दरअसल, बैंक ने अमृत वृष्टि योजना की एफडी पर ब्याज दरों में कटौती की है। इस फिक्स्ड डिपॉजिट पर नई ब्याज दरें 15 जून से लागू होंगी। यानी अब निवेशकों को इस पर कम रिटर्न मिलेगा। बैंक की ओर से अन्य एफडी की ब्याज दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

पिछले सप्ताह आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और केनरा बैंक सहित अधिकांश बैंकों ने स्रष्ट पर ब्याज दरों में कटौती की। यह कटौती भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में 50 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती के बाद की गई है।

भारतीय स्टेट बैंक ने अमृत वृष्टि एफडी स्कीम के ब्याज दर में 25 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती की है। आम नागरिकों के लिए 444 दिनों की अवधि के लिए अब 6.6त्न ब्याज दर हो गई है। इससे पहले यह 6.85त्न थी। यह बदलाव 15 जून से लागू होगा। वहीं, सीनियर सिटीजन और सुपर सीनियर सिटीजन को विशेष लाभ दिया जाएगा। सीनियर सिटीजन को इस विशेष एफडी योजना पर 7.10त्न प्रतिवर्ष की ब्याज दी जाती है।वहीं, सुपर सीनियर सिटीजन को (80 वर्ष और उससे अधिक) के लिए वरिष्ठ नागरिकों के लिए लागू ब्याज दर के अलावा 10 बेसिस प्वाइंट्स का अतिरिक्त लाभ मिलता है।

ताबड़तोड़ डिविडेंड देने वाले 5 स्टॉक्स, खरीद लिया तो जीवन भर पैसे देगी कंपनी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैसे कमाने के लिए लोग तरह-तरह के शॉर्टकट अपनाते हैं। आज के समय में हर कोई चाहता है कि एक बार निवेश करने के बाद हमेशा पैसा आता रहे। इसके लिए लोग अलग-अलग जगहों पर निवेश भी करते हैं। कुछ लोग शेयर बाजार में निवेश करते हैं। यहां भी कुछ ऐसी कंपनियां है जो अपने निवेशकों को हर साल डिविडेंड देती है। हालांकि, सभी कंपनियां डिविडेंड देती भी नहीं। इसलिए अगर आप अगर आप शेयर मार्केट में डिविडेंड के जरिए पैसे कमाना चाहते हैं तो आपको बड़ी ही सूझबूझ के साथ निवेश करना होगा। लेकिन अगर आप जानना चाहते हैं कि वो कौन से टॉप 5 स्टॉक्स हैं जो डिविडेंड से अपने निवेशकों की झोली भर देते हैं तो आइए हम आपको बताते हैं।

बहुत सी कंपनियां अपने शेयरधारकों को हर साल डिविडेंड देती हैं। बहुत सी कंपनियां अपने शेयर वैल्यू के हिसाब से इतना डिविडेंड अनाउंस करती है कि पूछिए ही मत। बड़ी कंपनियां भी अपने निवेशकों को डिविडेंड देती हैं लेकिन उनकी वैल्यू उनके शेयर के हिसाब से कम रहती है। अगर कोई कंपनी डिविडेंड दो रही है और आपके पास उस कंपनी के ज्यादा शेयर हैं तो आपको अधिक फायद होगा। आइए उन टॉप 5 कंपनियों के बारे में जानते हैं जो अपने शेयर वैल्यू के हिसाब से अधिक डिविडेंड देतीं हैं।

तपरिया टूल्स- मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में तपरिया टूल्स एक प्रमुख कंपनी है। यह कंपनी अपने हाई क्वालिटी वाले टूल्स के लिए जानी जाती है। यह कंपनी अपने निवेशकों को ताबड़तोड़ डिविडेंड देती है। नवंबर 2024 में कंपनी ने 25 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड देने की घोषणा की थी। उस समय डिविडेंड प्रतिशत 250 रुपये थे। इससे पहले जुलाई 2024 में 20 रुपये, फरवरी 2024 में 20 रुपये 26 जनवरी 2023 में कंपनी ने 77.5 रुपये का डिविडेंड दिया था। इस समय इसके शेयर की वैल्यू 20.95 रुपये है।

50 रुपये से कम कीमत वाले 5 बड़े सरकारी बैंक शेयर, 4 गुना तक कर चुके हैं पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में निवेशक हमेशा बड़ी कंपनियो में पैसा लगाना पसंद करते हैं। क्योंकि, यहां स्थिर रिटर्न के साथ रिस्क कम होता है। आमतौर पर बड़े बैंक और कंपनीज के शेयर प्राइस के लिहाज से लोगों को महंगे लगते हैं। मसलन, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का एक शेयर 800 रुपये तो एचडीएफसी बैंक के शेयर की कीमत 1900 रुपये से ज्यादा है। खास बात है कि ये शेयर पिछले 5 सालों में निवेशकों का पैसा 4 गुना तक बढ़ा चुके हैं। अगर आप किसी सरकारी बैंक के शेयरों में पैसा लगाना चाहते हैं तो हम आपको 5 ऐसे बड़े सरकारी बैंकों के शेयरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी कीम 50 रुपये से भी कम है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में इक्विटी टेक्निकल रिसर्च के हेड रुचित जैन ने इन बैंक शेयरों में खरीदारी के लिए अहम लेवल बताए हैं।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शेयर- इस सरकारी बैंक के शेयर का भाव 38 रुपये है। रुचित जैन के अनुसार, 34.60 का स्तर इस स्टॉक के लिए एक अहम सपोर्ट लेवल है, अगर यह टूटता है तो इसमें गिरावट गहरा सकती है। वहीं, 41.87 रुपये का स्तर बड़ा रेजिस्टेंस है, क्योंकि इसी लेवल से यह बैंक शेयर बार-बार नीचे आया है। 41.87 रुपये के ऊपर क्लोजिंग होने पर शेयर में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है।

2 साल की मंदी के बाद तेजी के लिए तैयार TATA का ये शेयर, एक्सपर्ट का दावा 3-4 हफ्ते में 1000 के पार होंगे भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप की कंपनियों के कई शेयरों ने लंबी अवधि में तगड़ा रिटर्न दिया है, लेकिन पिछले एक साल से कुछ स्टॉक्स में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इनमें टाटा मोटर्स और ट्रेंट से लेकर टाटा केमिकल के शेयर शामिल हैं। टाटा केमिकल के शेयरों ने कोरोना काल के बाद 2020 से 2022 तक जबरदस्त रिटर्न दिया था। लेकिन, 24 और 25 में इसका रिटर्न नेगेटिव रहा।

2024 में टाटा केमिकल के शेयरों ने ऑल टाइम हाई जरूर लगाया लेकिन भारी गिरावट के बाद नीचे आ गया, और इसने 2022 के नीचे स्तर को तोड़ दिया। मोतीलाल फाइनेंशियल सर्विसेज में इक्विटी रिसर्च में सीनियर मैनेजर, जिगर एस पटेल ने शेयरों में तेजी और गिरावट पर अपना नजरिया रखा है।

क्या कहता है टाटा केमिकल का चार्ट- जिगर पटेल ने कहा, ÷टाटा केमिकल के शेयरों ने 820 से 866 की रेंज में 3-4 सप्ताह के कंसोलिडेशन के बाद ब्रेकआउट दिया है, और 900 रुपये के स्तर के ऊपर कारोबार कर रहा है। शेयर में यह ब्रेकआउट एक मजबूत मोमेंटम के साथ आया है।

ऐसे में अब यह शेयर आने वाले एक महीने में 1000 रुपये के स्तर तक जाने का दम रखता है। वहीं, नीचे जाने पर 870 रुपये इसका अहम सपोर्ट होगा, जबकि ऊपर की ओर 965 रुपये रेजिस्टेंस होगा। जिगर पटेल ने कहा कि निवेशक अपने रिस्क मैनेजमेंट के अनुसार इन लेवल पर शेयर में खरीदी कर सकते हैं।

2 साल से नेगेटिव रिटर्न- टाटा केमिकल के शेयरों ने 2020 में 66त्न, 2021 में 87त्न और 2022 व 2023 में 5 से 17 फीसदी का रिटर्न डिलीवर किया, लेकिन 24 और 25 में इसका रिटर्न अब तक नेगेटिव रहा है। 2024 में टाटा केमिकल के शेयरों ने 1349 रुपये का ऑल टाइम हाई लगाया और अब 925 रुपये के स्तर पर हैं।

फंड मैनेजर क्यों महत्वपूर्ण हैं: बनिता जैन के साथ म्यूचुअल फंड की रणनीतियों को समझें

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप निवेश किस क्षेत्र में करना चाहते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उस क्षेत्र को लेकर आपकी समझ कितनी गहरी है। आमतौर पर, ऐसी समझ वर्षों के अनुभव और गहन अध्ययन से विकसित होती है। हालांकि, एक प्रोफेशनल फंड मैनेजर में यही खासियतें होती हैं।

इस वीडियो में चर्चा की गई है कि कैसे एक प्रोफेशनल फंड मैनेजर रिटर्न को प्रभावित कर सकता है, मार्केट वोलैटिलिटी से निपट सकता है और निवेशकों के पोर्टफोलियो को संतुलित बनाए रख सकता है? Finance Ke Funde में देखिए बनिता जैन (ऐश्वर्या इन्वेस्टमेंट्स की निदेशक और संस्थापक) के साथ मोहिनी त्यागी की खास बातचीत।

फंड मैनेजर क्या करता है- म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अक्सर फंड मैनेजर के बारे में सुनते रहते हैं। दरअसल, फंड मैनेजर एक फाइनेंशियल प्रोफेशनल होता है जो निवेशकों के फंड को मैनेज करके उसे सही जगह निवेश करने के लिए जिम्मेदारी लेता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सौरभ शर्मा का सर्विस रिकार्ड लोकायुक्त ने पुलिस को सौंपा

ग्वालियर। ग्वालियर। करोड़ों की अवैध कमाई और फर्जी अनुकंपा नियुक्ति मामले में फंसे परिवहन विभाग के बर्खास्त आरक्षक सौरभ शर्मा की मुश्किलें अब और बढ़ती दिख रही हैं। भोपाल लोकायुक्त द्वारा सौरभ शर्मा का पूरा सर्विस रिकॉर्ड ग्वालियर के सिरोल थाना पुलिस को सौंप दिया गया है। इस रिकॉर्ड की जांच के साथ अब सौरभ और उनकी मां उमा शर्मा से पूछताछ की तैयारी भी शुरू हो गई है।फर्जी शपथ पत्र और

नौकरी छिपाने का आरोप

गौरतलब है कि सौरभ शर्मा और उनकी मां पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए फर्जी शपथ पत्र देने और बड़े भाई की नौकरी को छिपाने के आरोप हैं। यह स्ऱ्ढ्ढक्रग्वालियर परिवहन विभाग की शिकायत पर दर्ज की गई थी। पुलिस अब यह पड़ताल कर रही है कि नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान लगाए गए दस्तावेज कितने सही थे और झूठी जानकारी वाले शपथ पत्रों पर किसके हस्ताक्षर हैं।साथियों के भी दर्ज हुए बयान

सौरभ शर्मा के मामले में केवल वही नहीं, बल्कि उनके कई साथी आरक्षक भी जांच के घेरे में आ गए हैं। हाल ही में परिवहन मुख्यालय में सौरभ के साथ काम कर चुके कुछ आरक्षकों के बयान दर्ज किए गए हैं। इन पर सौरभ के साथ मिलीभगत का आरोप है। अब सभी बिंदुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

छापे में मिली थी अकूत संपत्ति

यह मामला 19 दिसंबर 2024 को सुर्खियों में आया जब भोपाल स्थित सौरभ के घर पर लोकायुक्त की छापेमारी में भारी मात्रा में कैश, सोना और चांदी बरामद की गई। उसी रात, मेंडोरी के जंगल में आयकर विभाग ने 11 करोड़ नकद और 52 किलो सोना जब्त किया। इसके बाद श्वष्ठ (प्रवर्तन निदेशालय) भी मामले में कूद पड़ा और कई शहरों में कार्रवाई की गई।

विभागीय लापरवाही भी आई सामने

सौरभ शर्मा की अनुकंपा नियुक्ति प्रक्रिया में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। उनकी नियुक्ति के दौरान तत्कालीन परिवहन आयुक्त शैलेंद्र श्रीवास्तव के कार्यकाल में जानबूझकर अनदेखी की गई। दस्तावेजों में भाई की नौकरी छिपाई गई और संबंधित विभागों ने भी इस पर चुप्पी साधी रही।अब होगा दस्तावेजों का क्रॉस वेरिफिकेशन

सिरोल थाना प्रभारी गोविंद बगौली के अनुसार, लोकायुक्त से प्राप्त रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की जा रही है। सौरभ और उमा शर्मा के हस्ताक्षरों का मिलान, शपथ पत्रों की वैधता और उस वक्त मौजूद अधिकारियों की भूमिका भी अब जांच के घेरे में है।

जबलपुर में अब तक 10 घोड़ों की हो चुकी मौत, दो में ग्लैंडर्स के लक्षण मिले; हिसार से आई रिपोर्ट में खुलासा

जबलपुर। शहर के रैपुरा क्षेत्र में घोड़ों की रहस्यमयी मौतों के बीच अब ग्लैंडर्स बीमारी की आशंका ने प्रशासन और पशु चिकित्सा विभाग को अलर्ट कर दिया है। हिसार स्थित राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र से आई ताजा रिपोर्ट में दो घोड़ों के ब्लड सैंपल की जांच के बाद एक घोड़े (ID 644) में ग्लैंडर्स के लक्षण पाए गए हैं। हालांकि रिपोर्ट में इसे बॉर्डरलाइन जीरो पॉजिटिव बताया गया है।बॉर्डरलाइन जीरो पॉजिटिव

डॉक्टरों का कहना है कि यह लक्षण पूरी तरह पुख्ता संक्रमण की पुष्टि नहीं करते, लेकिन सतर्कता बरतना आवश्यक है। जिस घोड़े में यह लक्षण मिले हैं, उसे पहले से ही आइसोलेशन में रखा गया है और उसकी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। डॉक्टरों की टीम सुबह से शाम तक निगरानी में लगी है।

रिपोर्ट आने से पहले हुई घोड़े की मौत

हैदराबाद से जबलपुर लाए गए कुल 57 घोड़ों में से अब तक 10 की मौत हो चुकी है। जिन दो घोड़ों के सैंपल दोबारा हिसार भेजे गए थे, उनमें से एक की रिपोर्ट आने से पहले ही मौत हो गई, जबकि दूसरे की रिपोर्ट शुक्रवार को प्राप्त हुई है। इस रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन ने ग्लैंडर्स नियंत्रण प्रोटोकॉल लागू कर दिया है।

घोड़ों के साथ डॉक्टरों की भी जांच होगी

जानकारी के अनुसार, इस बीमारी में सांस लेने में तकलीफ, रक्त में गड़बड़ी और शरीर पर घाव जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। यह बीमारी इंसानों में भी फैल सकती है, इसलिए घोड़ों के साथ काम कर रहे सात से अधिक वेटरनरी डॉक्टरों और सहायक कर्मचारियों को भी अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पूरी सतर्कता के साथ किया इलाज

डॉ. ज्योति तिवारी, सहायक उपसंचालक, वेटरनरी विभाग, जबलपुर ने बताया कि घोड़ा फिलहाल स्वस्थ है, लेकिन प्रोटोकॉल के तहत पूरी सतर्कता बरती जा रही है। ÷हम ग्लैंडर्स की पुष्टि होने तक सभी ऐहतियाती कदम उठा रहे हैं। जैसे ही पुष्टि होती है, केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय गाइडलाइन के तहत नोटिफिकेशन भी जारी किया जाएगा।

एक्सपर्ट्स ने क्या कहा?

एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर इस बीमारी को समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया तो यह अन्य जानवरों और संभवतः इंसानों के लिए भी खतरा बन सकती है। घोड़ों में तेजी से फैलने वाली यह बीमारी कोरोना वायरस जैसी संक्रामक प्रकृति वाली मानी जाती है।

जबलपुर में बुजुर्ग महिला को बंदरों ने काट किया घायल, घरों में घुसकर कर रहे हमला

जबलपुर। शहर के गढ़ा फाटक और गढ़ा पुरवा इलाकों में बंदरों का आतंक दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। पहले ये बंदर केवल छतों पर उत्पात मचाते थे, लेकिन अब यह हमलावर हो गए हैं। स्थिति यह है कि अब घर के अंदर भी घुसकर लोगों को नुकसान पहुंचाने लगे हैं। दो दिन पहले एक बुजुर्ग महिला को बंदरों ने काट कर घायल कर दिया, जिससे क्षेत्र के नागरिकों में गंभीर दहशत का माहौल है।20 से 25 के झुंड में आते हैं बंदर

गढ़ा फाटक क्षेत्र में रहने वाले विजय रैकवार ने बताया कि पहले बंदर गिनती के होते थे, लेकिन पिछले छह महीनों में इनकी संख्या 20 से 25 के झुंड तक पहुंच गई है। ये बंदर छतों पर चढ़कर गमले तोड़ देते हैं, घरों में घुसकर खाने-पीने का सामान उठा ले जाते हैं और अब पैदल चलने वालों पर भी हमला करने लगे हैं।

वृद्ध महिला पर हमला-बीते दिनों एक बुजुर्ग महिला बालकनी में कपड़े धो रही थीं, तभी चार बंदरों ने हमला कर दिया और उनकी कमर पर काट लिया। यह घटना स्थानीय नागरिकों के लिए चेतावनी बन गई है। बच्चों और बुजुर्गों का बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है। लोग डर के मारे छत पर भी नहीं जा पा रहे।

यहां भी बंदर हो गए आक्रामक-गढ़ा फाटक और गढ़ा पुरवा के अलावा गौतम मढ़िया, कछपुरा, गढ़ा बाजार, देवताल, शाहीनाका, नारायण नगर, धनवंतरी नगर, मदन महल की पहाड़ियों और गुप्तेश्वर जैसे क्षेत्रों में भी बंदरों का उत्पात बढ़ गया है। नागरिकों का कहना है कि नगर निगम और वन विभाग को कई बार शिकायत की गई, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला।

लोगों को अस्पताल तक जाना पड़ा-स्थानीय निवासी अरविंद यादव और आलोक श्रीवास्तव का कहना है कि बंदर इतने आक्रामक हो गए हैं कि कई बार लोगों को अस्पताल तक जाना पड़ा है। बावजूद इसके प्रशासनिक तंत्र निष्क्रिय नजर आ रहा है। न नगर निगम के पास कोई ठोस योजना है, न वन विभाग कोई ठोस कार्रवाई कर पा रहा है। नागरिकों ने मांग की है कि बंदरों को पकड़कर शहर से दूर सुरक्षित जंगलों में छोड़ा जाए और ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि वे दोबारा शहर में प्रवेश न कर सकें। इसके साथ ही, जागरूकता अभियान और हेल्पलाइन नंबर शुरू किए जाएं ताकि आपात स्थिति में लोग तुरंत मदद मांग सकें।

घर नहीं लौटी कचरा बीनने गई गरीब महिला... नाले में पड़ा मिला शव, करंट लगने से मौत

रतलाम। शहर के तेजा नगर क्षेत्र में शनिवार सुबह एक महिला का शव नाले में मिलने से सनसनी फैल गई। घटना माणक चौक थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 23 की है, जहां सुबह करीब 9~30 बजे एक महिला का शव औंधे मुंह पड़ा मिला। सूचना मिलते ही रहवासियों ने क्षेत्रिय पार्षद व पुलिस को सूचना देकर बुलाया। मृतिका की पहचान ईश्वर नगर निवासी 40 वर्षिय कमला बाई पति भारू के रूप में हुई। स्वजनों के अनुसार कमला बाई रोज की तरह सुबह करीब बजे कचरा बीनने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं।

माणक चौक थाना टीआइ अनुराग यादव ने बताया सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव के पास से कचरा बिनने का थैला मिला है। मौके पर बिजली के टूटे हुए तार भी पाए गए है। प्रारंभिक जांच में करंट लगने से महिला की मौत की आशंका जताई जा रही है। संभावना है की मृतिका कमलाबाई नाले में कचरा बीनने गई हो, उस दौरान टूटे बिजली के तार की चपेट में आ गई होंगी, जिससे करंट लगने के कारण मौत हो गई हो।मामले में मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए मेडिकल कालेज भेज दिया गया। मामले की जांच की जा रही है। क्षेत्रिय पार्षद अक्षय संघवी ने बताया महिला गरिब है, जिसके परिवार में पति के अलावा एक बेटा व तीन बेटियां है। स्वजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से राशि स्वीकृत कराने का प्रयास कर रहे हैं।सैलाना में करंट लगने से युवक की मौत

सैलाना के समीपस्थ ग्राम करिया में एक युवक की टेबल पंखे से करंट लगने पर मौत हो गई।

जल शक्ति अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री कुणाल ने भूजल संरक्षण व संवर्धन को बताया समय की मांग

इंदौर। भारत सरकार के जल शक्ति अभियान के संयुक्त सचिव श्री कुणाल की अध्यक्षता में आज इंदौर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित जल संरक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री कुणाल ने कहा कि भूजल संपदा का संरक्षण और संवर्धन वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। इंदौर में इस दिशा में किए जा रहे प्रयास प्रभावी और सराहनीय हैं।

श्री कुणाल ने वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाने, जैव विविधता पर विशेष फोकस रखने और युवाओं को सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के विकास की भी आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि मनरेगा योजना की राशि का उपयोग इन सुविधाओं के विकास हेतु किया जा सकता है, और इसके लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में नगर निगम के अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, वनमण्डलाधिकारी श्री प्रदीप मिश्रा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री सुनील कुमार उदिया, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम के अपर आयुक्त श्री सिसोनिया ने बताया कि इंदौर शहर में भूजल व सतही जल के संरक्षण के लिए कैच द रेन अभियान चलाया जा रहा है। शहर में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग, पुराने कुएं और बावड़ियों के जीर्णोद्धार के कार्य प्रमुखता से किये जा रहे हैं। जल शक्ति अभियान-कैच द रेन के तहत इंदौर नगर निगम द्वारा विशेष पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि शहर में वर्ष 2019 से भूजल प्रबंधन के लिए व्यक्तिगत घरों की छतों पर वर्षा जल संचयन प्रणाली की स्थापना के शुरूआत की गई। अभी तक इंदौर में एक लाख 40 हजार घर की छत वर्षा जल संचयन से जुड़े हुई हैं। विभिन्न विकेन्द्रीकृत एसटीपी से उपचारित जल का बागवानी, निर्माण और अन्य गैर घरेलू उद्देश्यों के लिए पुनः उपयोग किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा आरडब्ल्यूएच संरचना की निगरानी और जियोटैग करने के लिए एक समर्पित ऐप विकसित किया गया है। शहर में 1500 वर्ग फीट से अधिक छत वाले घरों में आरडब्ल्यूएच संरचना स्थापित करना अनिवार्य है, नगर निगम इस व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू कर रहा है। विभिन्न सीएसआर भागीदार इस पहल में शामिल हुए हैं और फिल्टर और रिचार्ज शाफ्ट के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध करा रहे हैं। जन भागीदारी और जागरूकता के लिए नगर निगम द्वारा व्यापक आईईसी अभियान चलाया जा रहा है।

महामहिम राष्ट्रपति के कार्यक्रम के मद्देनजर संभागायुक्त ने बड़वानी पहुंचकर ली बैठक

इंदौर। महामहिम राष्ट्रपति जी का कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिये इसमें किसी भी प्रकार की चूक नहीं होना चाहिए। जो भी दायित्व जिसे सौंपे गये हैं वे उन्हें पूरी निष्ठा के साथ पूर्ण करते हुए कार्यक्रम को सफल बनायें। उक्त बातें इन्दौर संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस के अवसर पर बड़वानी में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेकर कही। इस अवसर पर इंदौर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक में हेलीपेड स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, ग्रीन रूम, डबल बेरिकेटिंग आदि को लेकर चर्चा की गई। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर फायर सुरक्षा को लेकर भी समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये। संभागायुक्त ने कहा कि पंडाल वाटरप्रुफ होगा। कहीं भी वाटर लागिंग/जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो। समस्त कार्यक्रम की सीसीटीवी मॉनिटरिंग करें। साथ ही स्थल पर मॉनिटरिंग रूम भी बनायें, जहाँ पर किसी की व्यवस्थित ड्यूटी भी लगायें। चेक पोस्ट पर गाड़ियों के आने-जाने से संबंधित सभी जानकारी रखें।

बैठक में समस्त कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर चर्चा की गई एवं जिला स्तर पर जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उनसे वन-टू-वन चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

एक दिवसीय रोजगार मेला (युवा संगम कार्यक्रम) 20 जून को

इंदौर। इन्दौर जिले में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय द्वारा 20 जून 2025 (शुक्रवार) को प्रातः 10-30 बजे से 03 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर (जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के पास) 10 पोलोग्राउन्ड इन्दौर में किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मंडलोई ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे- डी.टी. इण्डस्टीज, व्ही फाईव ग्लोबल (भारती एयरटेल), श्याम टाटा मोटर्स, निलांचल इन्फा आदि द्वारा लगभग 200 से अधिक युवाओं को विभिन्न पदों पर नौकरी दी जायेगी। रिक्त पदों में एच.आर., सेल्स एविजकिटीव, टेलीकॉलर, ऑपरेटर, टेक्नीशियन, सैल्स, टीम लीडर, बैंक ऑफिस आदि के पद शामिल है। चयनित युवाओं को आकर्षक वेतन मिलेगा। कंपनियों के प्रतिनिधि आवेदको के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे । उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास है आवेदन कर सकतें हैं। तकनिकी योग्यता के आवेदक भी उक्त पदों हेतु रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते है। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले आवेदकों को अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा की प्रतियों एवं अन्य प्रमाण पत्र जैसे- आधार कार्ड आदि के प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों के साथ उपस्थित होना होगा।

बूढ़ी बरलई में स्थापित होगी अहिल्या गारमेंट सिटी – बनेगा प्रदेश का नया वस्त्र एवं परिधान हब

इंदौर। एमपीआईडीसी द्वारा अरविन्द समूह को बूढ़ी बरलई में 12 हेक्टेयर भूमि एवं नोईज समूह को 12.5 हेक्टेयर भूमि अपनी वस्त्र एवं परिधान निर्माता इकाई की स्थापना हेतु प्रदान की गई है। इस हेतु दोनों कंपनियों को आशय पत्र जारी कर दिया गया है। इस क्षेत्र में इन दोनों नई कंपनियों की मेगा टेक्सटाईल एवं गारमेंटिंग इकाईयों के साथ-साथ सहायक इकाईयों हेतु प्लग एण्ड प्ले यूनिट, कर्मचारियों के निवास हेतु आवासीय क्षेत्र, मेडिकल फेसिलिटी, पुलिस स्टेशन, फायर स्टेशन, कॉमन फेसिलिटी सेन्टर, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स एवं पार्किंग की सुविधा विकसित की जायेगी।

एमपीआईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय इन्दौर के कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति द्वारा गत दिवस उक्त क्षेत्र का भ्रमण किया गया। यह दोनों इकाईयाँ को मिलकर कुल 584 करोड़ रुपये का निवेश करेगी एवं लगभग 12 हजार लोगों को नवीन रोजगार के अवसर उत्पन्न करेगी। अरविंद ग्रुप द्वारा अपनी इकाई में प्रथम चरण में 60 लाख परिधान प्रतिवर्ष बनाने का लक्ष्य रखा गया है वहीं नोईज समूह द्वारा अपनी इकाई में 9 अलग-अलग गतिविधियों की स्थापना की जायेगी जिसमें स्वेटर, डेनिम एवं फुटवियर का निर्माण होगा।

पीथमपुर में 11 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य, एम.पी.आई.डी.सी. कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति ने किया पीथमपुर का भ्रमण

इंदौर। एम.पी.आई.डी.सी. क्षेत्रीय कार्यालय इन्दौर के कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति द्वारा पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में प्रस्तावित वृक्षारोपण एवं प्रचलित सिविल, इलेक्ट्रीकल, इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्य एवं मेन्टेनेन्स कार्यों की समीक्षा हेतु पीथमपुर क्षेत्र का दौरा किया गया।

इस वर्षा ऋतु में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा पीथमपुर क्षेत्र में 11 लाख पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिस हेतु श्री प्रजापति द्वारा क्षेत्र का दौरा कर ऐसे स्थानों को चिन्हित किया गया जहाँ पर वृक्षारोपण किया जा सके। इस संबंध में कलेक्टर जिला-धार की अध्यक्षता में उद्योगपतियों के साथ एक बैठक का आयोजन सोमवार, 16 जून 2025 शाम 5 बजे निर्यात भवन, एस.ई.झेड़ के सभागार में किया जायेगा। श्री प्रजापति द्वारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लान्ट का भी निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा एम.पी. आई.डी.सी. के अधिकारियों को वॉटर ट्रीटमेंट प्लान्ट पर सफाई पर विशेष ध्यान दिए जाने एवं समय-समय पर प्लान्ट का उचित मेन्टेनेन्स किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। विकसित हो रहे पीथमपुर सेक्टर-7 में जल प्रदाय की व्यवस्था हेतु निर्माण किए जाने वाले स्टोरेज टैंक के स्थान का भी श्री प्रजापति द्वारा मुआयना किया गया।

श्री प्रजापति ने वर्षा ऋतु में होने वाले जलभराव एवं ड्रेनेज ब्लाकिंग की समस्या से निजात पाने के लिए अधिकारियों को स्पष्ट रूप से ड्रेनेज रिपेयर किए जाने एवं साफ किए जाने के निर्देश दिए है। भ्रमण के दौरान उनके द्वारा विद्युत लाईन के शिफ्टिंग एवं निर्माण कार्य की भी समीक्षा की गई। भ्रमण के दौरान श्री प्रजापति द्वारा वाल्वो आयशर कंपनी के इंजन डिवीजन का अवलोकन किया गया।

मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिये किये जाये समन्वित प्रयास

इंदौर। केन्द्रीय मछुआ पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने कहा है कि दुनिया में मछली उत्पादन में भारत का स्थान दूसरा है। मछली उत्पादन मुनाफे का व्यवसाय है जिसमें मछली उत्पादक अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा सकता है। इसके लिए मत्स्य उत्पादकों को शिक्षण और प्रशिक्षण के साथ तकनीकी जानकारी भी देना होगी। साथ ही उन्हें अच्छा बीज भी उपलब्ध कराना होगा। यदि हमें विटामिन और प्रोटीन उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़ना है, तो हमें मछली उत्पादन को अधिक बढ़ावा देने की जरूरत है। देश में मछली उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार की कई ऐसी योजनाएं है, जिसका लाभ उठाकर मछली उत्पादक अपने व्यवसाय को एक नई ऊँचाई दे सकता है। बीते 10 वर्षों में भारत में मछली का उत्पादन 61 लाख टन से बढ़कर 147 लाख टन हुआ है। इसी अवधि में भारत ने मत्स्य उत्पाद का निर्यात 30 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 60 हजार करोड़ रुपये का हो गया है। केन्द्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह आज इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में आयोजित इनलैंड फिशरीज़ एण्ड एक्वाकल्चर मीट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अहमदाबाद में हुई विमान त्रासदी में मृत यात्रियों एवं अन्य को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में केन्द्रीय पशुपालन एवं मछली पालन विभाग के मंत्री श्री जार्ज कुरियन, केन्द्रीय पशुपालन एवं मछली पालन विभाग के राज्यमंत्री श्री एस.पी. सिंह बघेल, उत्तरप्रदेश के मत्स्य पालन विभाग मंत्री श्री संजय कुमार निषाद, बिहार की मछुआ पालन और पशुपालन मंत्री सुश्री रेणु देवी, हरियाणा के पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, मध्यप्रदेश के मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री नारायण सिंह पंवार, केन्द्र सरकार के पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी और संयुक्त सचिव श्री सागर मेहरा सहित छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड आदि राज्यों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पीआईएमआर द्वारा भारतीय ज्ञान प्रणाली पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

इंदौर। भारतीय प्राचीन ज्ञान को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पीआईएमआर), इंदौर ने ÷भारतीय ज्ञान प्रणाली को उच्च शिक्षा प्रणाली के साथ एकीकृत करना÷ थीम पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया। यह आयोजन संस्थान की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तहत भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र (आईकेएस) के बैनर तले आयोजित किया गया, जो पीआईएमआर की सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित, मूल्य-प्रधान शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

समूह निदेशक डॉ. एस.एस. भाकर ने अपने संबोधन में पीआईएमआर की भारतीय ज्ञान प्रणाली को पुनर्जनन में अग्रणी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हमारे पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं और थीम आधारित आयोजनों के माध्यम से, हम भारत की समृद्ध विरासत को समकालीन शिक्षा के साथ जोड़ने वाला एक शैक्षिक मॉडल विकसित कर रहे हैं।÷ उन्होंने समग्र, मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संस्थान के निरंतर प्रयासों पर जोर दिया।

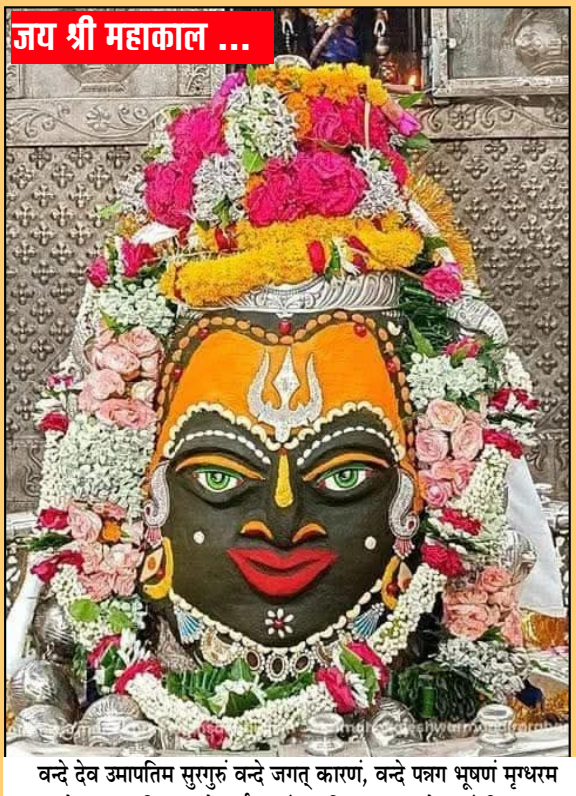

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

जिला न्यायाधीश के द्वारा स्थाई लोक अदालत का शुभारंभ किया गया

उज्जैन । मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 22-बी के अंतर्गत लोकोपयोगी सेवाओं के लिए स्थायी लोक अदालत के पुनर्गठन से संबंधित अधिसूचना मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) में दिनांक 23 मई 2025 को प्रकाशित की गई है।

उक्त अधिसूचना के अनुक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्जैन के अध्यक्ष माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश महोदय उज्जैन श्री राजेश गुप्ता साहब के द्वारा दिनांक शनिवार को उक्त लोक अदालत के पुनः प्रारंभ किए जाने के अवसर पर लोक अदालत का शुभारंभ करते हुए आमजन से अपील की गई कि वे लोक उपयोगी सेवाओं की स्थायी लोक अदालत जोकि प्रत्येक माह की द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को जिला मुख्यालय उज्जैन में आयोजित होगी का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ।

धारा 22-ए, खंड के तहत लोकोपयोगी सेवाओं में निम्नलिखित सेवाएँ शामिल हैंः- परिवहन सेवाएँ (यात्री या माल के लिए),डाक, टेलीग्राफ या टेलीफोन सेवाएँ,बिजली, पानी, और स्वच्छता सेवाएँ, अस्पताल या औषधालय सेवाएँ, बीमा सेवाएँ,अन्य ऐसी सेवाएँ जो सरकार द्वारा अधिसूचित की जाएँ।

इस अधिसूचना के तहत पूर्व अधिसूचना (दिनांक 22 अक्टूबर 2019) में संशोधन करते हुए स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सह अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के स्थान पर अब संबंधित जिले के प्रथम जिला न्यायाधीश को नियुक्त किया गया है। स्थायी लोक अदालत में प्रथम जिला न्यायाधीश (अध्यक्ष), मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सदस्य), और लोक निर्माण विभाग (सिविल) का कार्यपालन यंत्री (सदस्य) शामिल होंगे, जिनका क्षेत्राधिकार संपूर्ण जिले तक विस्तृत होगा। यह कदम लोकोपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए उठाया गया है। इस अवसर पर माननीय प्रधान जिला न्याधीश महोदय श्री राजेश कुमार गुप्ता, माननीय प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्रीमती किरण सिंह, खंडपीठ अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव जिला न्यायाधीश, सचिव/ न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनोज कुमार भाटी, जिला मुख्यालय उज्जैन पर पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, अध्यक्ष मण्डल अभिभाषक संघ ओम सारवान, अन्य अभिभाषक गण, न्यायालय स्टाफ, विधिक सहायता अधिकारी सहित विधिक सेवा प्राधिकरण का स्टाफ सम्मिलित रहा।

उज्जैन उद्योग व्यापार केंद्र के महाप्रबंधक वाजपेई के विदाई समारोह पर किया सम्मान

उज्जैन। (उद्योग विभाग) उज्जैन उद्योग व्यापार केंद्र के महाप्रबंधक अतुल वाजपेई के महाप्रबंधक के रुप मे दो वर्षो के सफलतापूर्वक संचालन करते हुए रतलाम ट्रांसफर होने पर अवंतिका उद्योग कल्याण संघ देवास रोड उज्जैन द्वारा सभी उद्योगपतियों की उपस्थिति में विदाई समारोह आयोजित किया गया।

अवंतीका उद्योग कल्याण संघ के सचिव भाजपा नेता ओमप्रकाश मोहने ने बताया की अवंतिका औद्योगिक क्षेत्र देवास रोड उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम में श्री वाजपेई का स्वागत सम्मान कर बाबा महाकाल से उनके उज्जवल भविष्य कामना करते हुए निरंतर प्रगती की ओर अग्रसर रहे ऐसी मंगल शुभकानाएं प्रेषित की। महिन्द्रा फस्ट चाईस पर आयोजित कार्यक्रम में संघ के संस्थापक जयहिंद चावडा, संरक्षक शाहिद हासमी, अध्यक्ष अशोक चोधरी, सचिव ओमप्रकाश मोहने, उपाध्यक्ष आजम बैग, सत्यनारायण महेश्वरी, गीरीष शर्मा, नरेंद्र महेश्वरी, अनील चावडा, अजहरुद्दीनजी, सुमीत बडेरा, चेतन चोधरी, चन्द्रावतजी, अनील जुनवाल, व्यासजी आदि उद्योगपती उपस्थित हुए।

विश्व रक्त दान दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

उज्जैन। रोटरी क्लब ऑफ उज्जैन द्वारा शनिवार 14 जून विश्व रक्त दान दिवस पर रोटरी ब्लड सेंटर पुष्पा मिशन चिकित्सालय मे रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पुष्पा मिशन चिकित्सालय डायरेक्टर रोटे. फादर एंटोनी ने रक्तदान के महत्व के सन्दर्भ में उपस्थित रक्तदाता को अवगत कराया। शिविर मे 27 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ। रोटरी क्लब ऑफ उज्जैन के अध्यक्ष रोटे. ईश्वर चन्द्र दुबे द्वारा रक्तदाताओ का अभिनन्दन किया। रक्त दान के उपरांत रोटे. फादर एंटोनी, रोट शाहिद हाशमी, रोट ईश्वर चन्द्र दुबे ने प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस मौके पर रोट. धीरेंद्र रैना आदि। गीता दुबे सहित रोटरी ब्लड सेंटर का स्टाफ मौजूद रहा।

अंकितग्राम, सेवाधाम में बोहरा समाज द्वारा ईद-ए-गदीर पर पौधारोपण किया

उज्जैन। अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में ईद-ए-गदीर पर्व के मौके पर बोहरा समाज के समाजसेवी हाजी मुल्ला कुतुब फातेमी, खोजेमा प्रेसवाला, ताहिरअली नागपुरवाला, दिनेश हरभजनका, विक्रमसिंह पटेल ने आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल के साथ पौधारोपण कर 25200 रूपये का चेक भेंट किया।

इस अवसर पर हाजी मुल्ला कुतुब फातेमी ने बताया कि हिजरी (मिसरी) कैलंडर के अंतिम महीने जिलहज की 18 तारीख को दाऊदी बोहरा समाज ने ईद-ए-गदीर का पर्व मनाया। दिन में रोजा रख विशेष नमाज भी अदा की। ईद अल-गदीर य ईद-ए-गदीर बोहरा समाज (शिया मुसलमानों) का एक प्रमुख और महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार उस घटना की स्मृति में मनाया जाता है जिसमें इस्लाम के पैगम्बर मोहम्मद साहब ने अपने चचेरे भाई और दामाद अली इब्ने अबी तालिब को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था। यह त्यौहार मिसरी (हिजरी) कैलंडर के माह जल-अल-हिज्जा की 18 तारीख को मनाया जाता है। हदीस के अनुसार इस ईद को सर्वश्रेष्ठ ईद माना गया है।

सुधीर भाई ने ईद एक गदीर पर समस्त बोहरा समाज को बधाई प्रेषित कर कहा कि मुल्ला कुतुब फातेमी द्वारा नेक कार्य किया है, उनका और हमारा सम्बंध बहुत पुराना है, उन्होंने ईदद ए गदीर के मोके पर सभी का मुह मीठा कराया।

भारत मुक्ति मोर्चा ने रैली निकाल कर राष्ट्रपति महोदय के नाम दिया ज्ञापन

उज्जैन। भारत मुक्ति मोर्चा ने कोठी पैलेस पर देशभर में बेगुनाह मुसलमानों की मॉबलिंचिंग कर हत्याएं करना और मुसलमानों के मस्जिदों, मदरसों, दुकानों, मकानों, ईदगाहों और बस्तियों को बुल्डोजर से उजाड़ने एवं केन्द्र सरकार द्वारा वक्फ कानून में संविधान के मूल सिद्धांतों के खिलाफ जाकर किए गए संसोधनों को रद्द करने को लेकर प्रदर्शन किया और कोठी से संकुल भवन तक रैली निकाली।

रैली समापन के बाद भारत मुक्ति महिला मोर्चा बहुजन मुक्ति पार्टी की अध्यक्ष आयु.गंगा मालवीय के नेतृत्व में महामहिम राष्टपति महोदय के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क के मुकेश मालवीय ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले एक दशक से भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र और राज्य सरकार लगातार देशभर में मुसलमानों पर अन्याय-अत्याचार एवं उत्पीड़न का घटनाएं बढ़ी है जिसमें मुख्य रूप से फर्जी गौकशी के नाम पर मॉबलिंचिंग, फर्जी लव जेहाद के नाम पर हत्याएं और अब तो यहां तक की पुलिस कस्टडी और चलती ट्रेनों में भी हत्याएं हो रही है।

देश में नफरतवादी संगठनों के द्वारा वर्शिप एक्ट 1991 (क्ष्ड्डष्द्गह्य ह्ढ ङ्खशह्यह्वद्दद्धश्च ्नष्ह्ल-1991) होने के बावजूद मुसलमानों के मस्जिदों और वक्फ की सम्पत्तियों का निशाना बनाएं जाने के साथ-साथ दुकानों, मकानों और बस्तियों पर कोर्ट के आदेशों की अवहेलना कर बुल्डोजर चलाकर उजाड़ने का काम मौजूदा सरकारों द्वारा किया जा रहा है। जबकि केन्द्र और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है अपने देश व राज्य में निवास करने वाले नागरिकों की जान-माल, रक्षा-सुरक्षा एवं उन्हें स्थापित करने की है किन्तु एक दशक से बड़े पैमाने पर जगह-जगह बिना नोटिस एवं बिना प्रमाणिकता के और न्यायालय में मामले विचाराधीन होने के बावजूद बुल्डोजर चलाकर जन्म से निवास कर रहे लोगों की बस्तियों और घरों को तोड़-फोड़कर उन्हें विस्थापित करने का काम कर रही है। भारत मुक्ति मोर्चा ने महामहिम राष्टपति महोदय के नाम ज्ञापन देकर मांग की है कि मुसलमानो पर हो रहे अत्याचार बंद किया जाए ओर दोषियों पर कई से कड़ी कार्रवाई की जाए। सरकार ने हमारी मांगों की ओर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सर्प-दंश से जन-सामान्य के बचाव के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एडवाइजरी जारी

उज्जैन । मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सर्पदंश के मामलों को गंभीरता से लेते हुए इसे स्थानीय आपदा घोषित किया है। पिछले वर्ष सर्प-दंश से 2,500 से अधिक मौत हुई थी जिससे व्यापक जनहानि हुई थी। बारिश के मौसम में बढ़ने वाली इन घटनाओं की रोकथाम के लिए एक बहुआयामी रणनीति तैयार की है, जिसमें जनजागरूकता, आपातकालीन सेवाओं का सुदृढ़ीकरण और निवारण संबंधी उपाय शामिल किए गए हैं।

जनजागरूकता और प्रशिक्षण पर विशेष जोर इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड स्तर पर स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोशल मीडिया, रेडियो, होर्डिंग्स और प्रिंट मीडिया के जरिए सर्पदंश से बचाव और प्राथमिक उपचार की जानकारी प्रसारित की जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों में विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को इस खतरे और उससे बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित किया जाएगा।आपातकालीन सेवाओं को मजबूत बनाने की पहल प्रत्येक जिले में प्रशिक्षित सर्प मित्र और स्नेक-कैचर्स की तैनाती की जाएगी, जिनके हेल्पलाइन नंबर जनता को उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com